Xkke f’k{kk lfefr uhyd.B ¼rkyh½

jktdh; ikFkfed fon~;ky;] uhyd.B

fodkl [k.M&;ed’oj] tuin&ikSMh x<oky

mÙkjk[k.M

i/kkuk/;kfidk&Jherh jhrk lseoky

v/;{k ,l0,e0lh0] Jh njcku flag

xke i/kku&Jh jfoUnz usxh

Hkkstu ekrk] Jherh pEik nsoh

Hkkstu ekrk lgkf;dk&Jherh ’kkUrk nsoh

पूर्व स्थिति

वर्तमान स्थिति

Ekjk fon;ky;@esjh Hkfedk

D;k\ dl\ dgk ls\

अधिकतर पाया गया कि जनमानस की एक अवधारणा है सरकारी विद्यालयों के विकास का जिम्मा केवल सरकार का है। हम क्यों करे? कहाँ से करे? अथवा कैसे करे? हमारे पास क्या है, विद्यालय को भौतिक एवं शैक्षिक विकास में एक अच्छे वातावरण का सृजन महत्वपूर्ण भूमिका रखता है इसके लिये सर्वप्रथम विद्यालयी आवश्यकताओं एवं समस्याओं को लेकर अध्यापक और समुदाय के बीच अच्छे समन्वय की आवश्यकता होती है। समुदाय के साथ अच्छे समन्वय हेतु अध्यापक के अन्दर कुछ विशेषताओं का समाहित होना नितान्त आवश्यक है। समाज को जागरूक करने और सहयोगी बनाने के लिये कई बिन्दुओं पर विचार करना होता है। कोई भी व्यक्ति/समुदाय क्यों आपकी मदद/सहयोग करें? कैसे करे? कहाँ से करे? ये महत्वपूर्ण विचारणीय विषय है–

D;k dj lenk; lg;kx\

d- v/;kid dh fo'k"krk;s &

¼1½ **drO;fu"B ¼&** यूँ तो अच्छे व्यक्तित्व के गुणों का विश्लेषण किताबों में पत्र–पत्रिकाओं में बहुत देखने को मिलता है। इसके लिये शिक्षा जगत में तो कई प्रशिक्षणों के दौरान भी अवगत कराया जाता है। लेकिन वास्तविकता के साथ धरातल पर सर्वप्रथम अपने कर्तव्यों का निवर्हन भली भाँति करना है। यथा विद्यालय में स्वस्थ्य भौतिक एवं शैक्षिक वातावरण का निर्माण करना जिससे समुदाय को आपकी कार्यशैली अच्छी लगे और लोग उसे पसन्द करने लगें।

¼2½ **le; ikyu ,o fu;ferrk ¼&** यथा समय विद्यालय आना और जाना तथा नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित रहना समुदाय के विश्वास को जीतने में सहायक सिद्ध होता है। यह विद्यालय के प्रति हमारे अपनत्व तथा सर्म्पण को दर्शाता है।

¼3½ **bekunkjh ¼&** किसी भी प्रकार के वित्तीय कार्यों में यदि अपनी ओर से कतिपय धनराशि व्यय करनी पड़े तो कोई विशेष बात नहीं। आवश्यकता पड़ने पर स्वयं का धन भी कार्य पूर्ति में लगा देना हमारी ईमानदारी का प्रतीक है। यदि बच्चों के साथ पढ़ाने में अतिरिक्त समय या अवकाश का दिन भी लगाना पड़े तो लगा देना चाहिये। (यदि सम्भव हो)

¼4½ **O;fDrRo vkj O;ogkj ¼&** हमारा व्यक्तित्व ऐसा हो कि लोग हमारी बात को मानने लगें, हमारा व्यवहार समुदाय के लिये प्रेरणा बन प्रेरित कर सकने वाला हो, समुदाय को जागरूक कर सके, समुदाय के साथ मिलकर चर्चा कर अपनी बातें उनके सम्मुख रखना, अन्य

लोगों के उदाहरण अथवा अपने पूर्वानुभव एवं स्वयं कुछ नया करने की सलाह देकर उन्हें एक सकारात्मक दिशा में चलने हेतु मार्ग दर्शन करना एवं स्वयं भी निरन्तर प्रयासरत रहना है।

¼5½ ok.kh dh enqHkkf"krk %& कहते है शीर्ष वाणी की मिठास मधु से भी मीठी होती है और यही वाणी कठोर होती है तो तीर से भी गहरा घाव करती है, अतः समुदाय के साथ मृदु व्यवहार आवश्यक है। छोटी–छोटी बातों पर उत्तेजित हो क्रोध के वंशीभूत समुदाय से विरत हो कार्य करने पर कोई भी व्यक्ति हमारी आवश्यकताओं और समस्याओं पर ध्यान नहीं देने के साथ ही रूचि लेने के स्थान पर विद्रोह करेंगे। उत्तेजित हो जबरन हम अपनी बातों को मनवाने में कभी भी सफल नहीं होते। अतः सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार करना होता है।

¼6½ vfHkO;fDr %& हमारे अन्दर अपनी बातों को समुदाय के समक्ष रखने का कौशल होना नितान्त आवश्यक है। समाज तभी हमको समझ पाता है, जब हम अपनी बात को सकारात्मक एवं वास्तविकता से रखते है, तथा प्रयासरत रहते हैं कि एक अच्छा संदेश व्यक्ति विशेष तक जाये।

¼7½ ikFkfedrk %& विद्यालय विकास योजना के अनुरूप समस्याओं का वरीयताक्रम में निस्तारण करना होता है, आवश्यकीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुये क्रमशः पूर्ति करते हुए विकासात्मक कदम रखने हैं। सभी कार्य एक साथ पूर्ण करना सम्भव नहीं होता है, सुधार और बदलाव धीरे–धीरे ही सम्भव होता है। एक साथ बहुत सारी समस्याओं को उजागर करने पर समुदाय सहयोग के स्थान पर पीछे हटने लगता है। अतः प्रमुखता से समस्याओं का निस्तारण करना होता है।

dSls fodkl gks\

vfHkHkkodksa ds dr0; vkSj nkf;Ro %& अभिभावक एवं समुदाय केवल सरकार पर निर्भर न हो स्वयं भी कुछ न कुछ प्रयास निरन्तर करते रहे, अपने दायित्व एवं कर्तव्यों का निर्वहन विद्यालय विकास में करे, विद्यालय उनका है इसी अपनत्व के साथ विद्यालय से लगाव रखे, अपने पाल्यों के सुनहरे भविष्य के लिये अपना भी दायित्व समझें, थोड़ा–थोड़ा प्रयास यदि सब करें तो अवश्य कुछ अच्छा कार्य होता है, अध्यापक के साथ बच्चे तथा अभिभावक भी अपने–अपने स्तर से प्रयास करें तो अवश्य ही विकास को गति मिलती है।

Nu py vklek &geu D;k fd;k\

विद्यालय के चहुँमुखी विकास हेतु शैक्षिक एवं भौतिक योजनायें तैयार कर स्तरानुसार एवं प्राथमिकता के अनुरूप समाधान करना होता है, ग्राम सभा तोली (नीलकण्ठ) की जनता ने कुछ ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है, इस हेतु केवल प्रधानाध्यापिका का एक प्रयास कि जनता को जागरूक करते हुये विद्यालय की जरूरतों की ओर उनका ध्यान आकृष्ट किया। सर्वप्रथम जन समुदाय एवं अभिभावकों की बैठक आयोजित कर विद्यालयी समस्याओं और आवश्यकताओं पर विचार कर समाधान का प्रयास किया। विद्यालय स्तर पर कुछ आयोजन करवाकर बतौर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक, ब्लॉक प्रमुख जैसे कुछ गणमान्य व्यक्तियों को आमन्त्रित किया गया। फलतः जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीप्ति रावत जी द्वारा डाइनिंग हॉल हेतु रु0 450000/– (रूपये चार लाख पचास हजार रूपये) माननीय विधायक जी द्वारा रु0 250000/– (रूपये दो लाख पचास हजार रूपये) आंगन पक्काकरण हेतु, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती कृष्णा नेगी जी द्वारा रु0 200000/– (रूपये दो लाख रूपये) कार्यालय कक्ष प्रदान किये गये। कार्यालय कक्ष का निर्माण अभी होना शेष है, इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय समुदाय द्वारा रु0 45000/– (रूपये पैतालीस हजार रूपये) फर्नीचर निर्माण हेतु एकत्र कर फर्नीचर उपलब्ध कराया गया। प्रधानाध्यपिका द्वारा भी विद्यालय रंग रोगन, अन्य आवश्यकीय आवश्यकताओं की पूर्ति अपने स्तर से करते हुए वर्तमान तक लगभग रु0 150000/– (रूपये एक लाख पचास हजार रूपये) की धनराशि व्यय की गई। इसके अतिरिक्त अभिभावकों ने मुख्य भूमिका का निर्वहन करते हुये छात्रों के गणवेश में बदलाव किया, इस प्रकार विद्यालय को एक उत्कृष्ट स्वरूप प्रदान किया गया, क्योंकि स्वच्छ एवं सुसज्जित परिवेश मन को आनन्द प्रदान करता है, स्वच्छ परिवेश में ही स्वस्थ मन से छात्र ज्ञानार्जन में रूचि लेते हैं।

उपर्युक्त सभी आयोजनों के दौरान ग्राम सभा तथा क्षेत्रीय जनता का अमूल्य सहयोग रहा। यथा– संसाधन जुटाना, मेहमानवाजी, भोजन बनाना तथा कार्यक्रमों की सफलता हेतु अपनी–अपनी ओर से यथा सम्भव अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना। समय–समय पर विद्यालय आकर विद्यालयी समस्याओं पर चर्चा कर उसके समाधान का रास्ता बताना, कहाँ से? किस व्यक्ति से, हमें सहायता मिल सकती है। इस हेतु हमें क्या करना होगा? शैक्षिक विकास किस प्रकार किया जाय? विद्यालय में आये इस बदलाव के फलस्वरूप कई लोग तो विद्यालय को देखने आये, जिसमें क्षेत्रीय ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान तथा अन्य समुदाय सम्मिलित हुये उनके द्वारा विद्यालय का अवलोकन करने के पश्चात् अपनी–अपनी ग्राम सभाओं में भी प्रयास करने की बात कही गयी। जनपदीय तथा प्रान्तीय अधिकारियों द्वारा भी विद्यालय का निरीक्षण किया गया है।

gekjs lg;kxh

अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती दीप्ति रावत

वर्ष 2014–15 में आयोजित वार्षिकोत्व में बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती दीप्ति रावत जी द्वारा छात्रों को गर्मी तथा बरसात के दिनों

में भोजन करने हेतु डाइनिंग हॉल हेतु रु0 450000/– (रूपये चार लाख पचास हजार रूपये) की लागत से कक्ष निर्माण करवाया गया।

ब्लॉक प्रमुख श्रीमती कृष्णा नेगी– विद्यालय वार्षिकोत्सव के दौरान बतौर विशिष्ट अतिथि श्रीमती कृष्णा नेगी जी द्वारा कार्यालय कक्ष निर्माण हेतु रु0 200000/– (रूपये दो लाख रूपये) प्रदान किये गये। कक्ष निर्माण का कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ होने जा रहा है।

{k=h; fo/kk;d & श्रीमती विजया बडथ्वाल

वर्ष 2015–16 में आयोजित गढ़वाली कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित श्रीमती विजया बड़थ्वाल के सम्मुख विद्यालय प्रांगण के पक्के करण की मांग रखी गयी। उनके द्वारा रु0 250000/– (रूपये दो लाख पचास हजार रूपये) की धनराशि इस हेतु अवमुक्त कराई गई। विद्लाय प्रागंण को पक्का करवाकर सुसज्जित किया गया है।

कुछ सामाजिक संस्थाओं एवं समाज सेवियों द्वारा भी विद्यालयी परिवेश एवं कार्यो को देखते हुये अपनी ओर से सहयोग किया गया, जिसमें हरियाणा (सिरसा) संस्था द्वारा छात्रों को वर्ष 2014–15 में स्वेटर, जूते, मौजे तथा विद्यालय में 6 कुर्सियों दो दरी तथा कौरपेट एवं छात्रों को दाल, चावल, न्यूडलस तथा

रसगुल्ले के साथ–साथ केक के पैकेट वितरित किये गये। वही दूसरे वर्ष 2015–16 में छात्रों को ट्रैक सूट, कोट, टोपी, जूते मौजे वितरित किये गये, प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कार के साथ ही केक के पैकेट तथा न्यूडलस बच्चों की पसन्द पर तैयार किया गया साथ ही दाल रखने हेतु चार स्टील के 5–5 किलों के डिब्बे दिये गये।

सिद्धबली कोटद्वार मन्दिर समिति द्वारा एक कम्प्यूटर विद्यालय को उपलब्ध कराया गया साथ ही हनुमानगढ़ (नीलकण्ठ) धर्मशाला के रंगाराम तथा उनके i= lfpu dekj vjkMk द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम में हर सम्भव मदद के साथ ही हमेशा सहयोग की बात की जाती है। सकारात्मक सोच के साथ दोनों पिता पुत्र स्वयं तथा आने जाने वालों से भी विद्यालय सहयोग की चर्चा करते हैं। स्वयं भी हमेशा तत्पर रहते हैं कि उनके द्वारा विद्यालय हेतु क्या किया जा सकता है? वर्तमान में भी उन्होंने आश्वासन दिया कि वे विद्यालय हेतु कार्य करेंगे। उनके द्वारा 20 गमले भी विद्यालय हेतु देने के साथ ही कुछ अन्य सहायता देने एवं कार्यालय कक्ष निर्माण में यथासम्भव सहयोग की बात कही गई है।

कपिल मुनि आश्रम के महाराज श्री विजय गिरी जी तथा उनके शिष्यों द्वारा हाल ही में विद्यालय में छात्रों के बैठने हेतु 10 बेबी चेयर तथा प्रत्येक छात्र को स्वेटर वितरित किये। साथ ही विद्यालय में विभागीय निर्देशानुसार समुदाय के सहयोग से पौष्टिक आहार योजना के अन्तर्गत ''संजीवनी भोज'' कराया गया। भोजन में दलिया, दाल, चावल, सब्जी परोसा गया, और भविष्य में भी विद्यालय में सहयोग का आश्वासन दिया गया।

मंगलगिरी जी महाराज के सौजन्य से प्रतिवर्ष सभी अध्ययनरत छात्रों को जलपान की व्यवस्था की जाती है। (वर्ष में एक बार) वर्तमान में वर्ष 2016–17 छात्रों को जलपान के साथ–साथ रबर, पेन्सिल, कटर तथा उत्तर पुस्तिका वितरित की गई।

श्रीमान शोभाराम रतूडी जी का विद्यालय हेतु अभूतपूर्व सहयोग मिलता है। प्रत्येक आयोजन के दौरान उनके द्वारा वित्तीय सहायता दी जाती है, अथवा पारितोषिक के रूप में सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। रतूड़ी जी द्वारा दो छोटी आलमारी (चार फुट की) भी विद्यालय को दी गई। बच्चों में निहित क्षमता एवं प्रतिभा के प्रदर्शन हेतु उनके द्वारा स्वयं के व्यय पर छात्रों के कार्यक्रम को जनता के बीच

प्रदर्शित किया गया। ''संजीवनी–भोज'' योजना के अन्तर्गत उत्कृष्ट पौष्टिक आहार छात्रों को उपलब्ध कराया गया। जिसमें पनीर, मिक्स वेज, दाल, चावल, पूड़ी, सेंवई परोसी गई।

क्षेत्रीय समुदाय की उत्कृष्ट भूमिका प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिलती है। इसी परिपेक्ष में ब्लॉक द्वारा जिला पंचायत सदस्या श्रीमती गीता राणा एवं सहयोगियों द्वारा विद्यालय तथा क्षेत्र में फलदार पौधे लगाये गये। प्रधानाध्यापिका के आग्रह पर लैंसडाउन से लालढांग रैंज के श्री कुकरेती जी द्वारा स्वयं पौधे लाकर विद्यालय तथा आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण किया गया।

विभाग एवं अन्य आयोजित विभिन्न समारोहों/प्रतियोगिताओं में छात्रों को प्रतिभाग कराने हेतु अभिभावकों की सहमति एवं सहयोग भी समुदाय की सहभागिता का अनुपम उदाहरण है, विद्यालय में उन्नत शैक्षिक वातावरण हो इस हेतु भी जनता संवेदनशील रहती है, एकल अध्यापक होने के कारण बार–बार सहायक अध्यापक के यथा शीघ्र उपलब्धता की बात करते हैं।

इन सब कार्यो के पीछे प्रधानाध्यापिका श्रीमती रीता सेमवाल की भी अहम भूमिका को नही भुलाया जा सकता है। सर्वप्रथम एक चिंगारी के रूप में जोत जलाने का काम उनका रहा, सर्वप्रथम स्वयं पहल करते हुये विद्यालय में स्वयं के व्यय पर रंग–रोगन कराया गया, और परिसर को एक उत्कृष्ट स्वरूप प्रदान किया गया। साथ ही 1000 पुस्तकें स्वयं लाकर लाइब्रेरी की स्थापना की गई। साथ ही कक्षा–कक्षों एवं कार्यालय को संसाधनयुक्त एवं सुसज्जित कर उत्कृष्टता प्रदान की गई। जहाँ पर भी जो आर्थिक कमी आयी उनके द्वारा स्वयं उसको पूरा किया गया। अब तक विद्यालय में स्वयं

का 150000/– (रूपये एक लाख पचास हजार) रूपया आवश्यकीय आवश्यकताओं की पूर्ति में लगा चुकी है अध्यापिका विद्यालय संचालन में मुख्य रूप से सहयोगी की भूमिका में कु0 रश्मि ग्राम–तोली कुमारी प्रिया रावत ग्राम पुण्डरासू द्वारा शैक्षिक संवर्द्धन में सहयोग तथा भोजन माता श्रीमती चम्पा देवी एवं श्रीमती शान्ता देवी का अभूतपूर्व सहयोग मिलता है। विद्यालय की स्वच्छता, संजीवनी भोज के अन्तर्गत कई प्रकार

की खाद्य वस्तुऐं तैयार करना, भोजन कराना पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों की सम्पन्नता हेतु बधाई की पात्र है। भोजन माताओं को भी समारोहों में माल्यार्पण व पारितोषिक द्वारा सम्मानित किया जाता है। विभाग द्वारा भी एस0एम0सी0 तथा भोजन माताओं को प्रोत्साहन के तौर पर सम्मानित किये जाने की कामना प्रधानाध्यापिका करती है।

पूर्व में सहायक अध्यापक श्री शंतजय नैथानी का सहयोग अपने आप में महत्वपूर्ण है। शैक्षिक हो अथवा भौतिक अध्यापक द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया गया। संज्ञानेत्तर गतिविधियों, कार्यालयी कार्यों में निरन्तर श्री नैथानी जी गतिमान रहे। एक सौंहार्दपूर्ण वातावरण के चलते विकास कार्य निर्बाध रूप से चलते रहे, निश्चित ही उनकी क्षमताओं का लाभ समाज को मिलता रहेगा।

प्रधानाध्यापिका का कहना है कि वे सभी लोग बधाई के पात्र है। जिनके द्वारा विद्यालय को किसी भी प्रकार का सहयोग मिला है। क्षेत्रीय समुदाय जिनके सहयोग से विद्यालय आज एक उत्कृष्ट पायदान पर है। विद्यालय परिवार तथा विभाग उनका अभिनन्दन करता है। एक सकारात्मक सोच के धनी ग्राम प्रधान श्री रविन्द्र सिंह नेगी तथा क्षेत्रवासी इसी प्रकार प्रेरणा स्त्रोत बने रहें यही कामना प्रधानाध्यापिका करती है। उनका कहना है कि क्षेत्रवासी एक कीर्तिमान स्थापित करें सहयोगी भावना का और हमेशा एक उत्कृष्ट एस0एम0सी0 के रूप में हम को पहचान मिले।

छात्रओं के मन की बात

हमारा स्कूल बदल गया है। पढाई अच्छी होने लगी है। भोजन माता गुरू जी मैडम जी सब अच्छे है। पहले हम चटाई पर बैठते थे। अब मेज कुर्सी पर बैठना अच्छा लगता है। लाइबरेडी क्या होती है। अब पता चला–**कु0निकिता कक्षा–5**

स्कूल में पेन्टिंग,लाइबरेडी,फर्नीचर व्यवस्था से काफी अच्छा हो गया है। ड्रेस में बदलाव के साथ ही पढाई में भी पहले से काफी सुधार है–**कु0ऋतु कक्षा 5**

अब हम लाइबरेडी में पढते है। इन्टरवल में बहुत से गेम खेलते है। पढाई में जब समझ नहीं आता है तो मैडम हमें बार–बार समझाती है। विद्यालय में इस साल 29 नवम्बर को पहली बार आयोजित वार्षिक उत्सव अच्छा लगा –**कु0साक्षी कक्षा–5**

हमारा स्कूल बहुत अच्छा है। मैडम,गुरू जी भी अच्छे है। हमारे स्कूल में पढाई भी अच्छी होती है। लेकिन जब इन्टवल में मैडम हमें दौडने नहीं देती तो मुझे बहुत खराब लगता है। मैडम कहती है बैठ कर खेलो–**हिमांशु पंवार कक्षा–5**

नेहा पंवार

Date: __/__/__

हमारी प्रिय मैम,

मैम आप बहुत मीठा गाती हैं

मैम मुझे आपका पढ़ाने का तरीका बहुत पसंद हैं
मैम मेरी इच्छा हैं की आप हमेशा हमे पढ़ाती रहें
मैम जब आप आए तो आपने हमारे लिए बहुत
अच्छी ड्रेस बनवाई और उसके बाद फर्नीचर, लाईब्रेरी,
और बहुत सुन्दर बगीचा बनवाया और हमारे स्कूल में
बहुत सुन्दर पेन्ट करवाया मैम मुझे तब बहुत गन्दा लगता
है जब बच्चे आपकी बात नही मानते और जब पढाई नही
करते मैम मैं चहाती हुँ की आप हसँते रहे मैम
आप हँसते समय बहुत अच्छी लगती हैं मैम हमे पहले
कोई कार्यक्रम नही आते थे पर जब से आप हमे बड़े-
बड़े मंचों मे ले गई तब ही हमे कोई कार्यक्रम आय
गये यह सब आपकी वजह से हुआ आप इस
दुनिया की सबसे अच्छी मैम हैं हमारी प्यारी मैम

श्रीमती रीता सेमवाल

नाम – निकिता पवांर

Date: __/__/__

प्रिय

मैडम श्रीमती रीता सेमवाल आप मुझे बहुत अच्छी लगती
है आपने हमारे स्कूल को बहुत अच्छा और साफ सुथरा बनाया है।
जितना हमारा स्कूल पहले अच्छा नही था उतना आपके आते
से हो गया है पहले हम नीलंकठ से बाहर नही गए और
आप हमे दिउली, सिंग्याणी, पौड़ी और कोटद्वार ले गई।
जब हम नीचे स्कूल मे आए तो हमे अच्छा लगा पर
उतना नहीं जितना ऊपर स्कूल मे लगता था जब हम निचे
स्कूल मे थे तो तब भी आप हमे मोलठा ले गई मंच सचालन के
लिए। जब आप हमे मंच स नवोदय विद्यालय में ले गई तो हमे
बहुत खुशी हुई। आपसे अच्छी मैडम हमने मैंने नही देखी और
मुझे आपकी आवाज भी अच्छी लगती है। मैडम आपने हमे
बहुत प्रेरित कीया कि आगे जाना पीछे नही हटना चाहिए। आप
हमे बहुत अच्छी लगती हैं मैडम। हमे आपकी बहुत याद आती है।

श्रीमती रीता सेमवाल
निकिता पवांर

मैडम श्रीमती रीता सेमवाल

Date: __/__/__

प्रिय

मैडम श्रीमती रीता सेमवाल आप मुझे बहुत
अच्छी लगती है, आप जब से हमारे स्कूल
में आए हैं आपने हमारे स्कूल को बहुत अच्छा
बना दिया है, मैडम आप बहुत अच्छी पढाती हैं,
आप हमें नवोदय विद्यालय में ले गई हमें
बहुत अच्छा लगा, और आप हमें खेल और
सपनों के उड़ान मे ले गई, आपकी अवाज
बहुत अच्छी हैं, आप बहुत अच्छी गाया करती
है, आप जब स्कूल नहीं आते थे तो मुझे
अच्छा नहीं लगता था, जब से नीचे स्कूल मे
आए है हमें अच्छा नहीं लगता है;
मै चाहती हुँ की मैं आपकी तरह एक

साक्षी रावत

CHANDRESHWAR
Page No.:
Date:

प्रिय

मेडम आप मुझे बहुत अच्छी लगती है।
श्रीमती रीता सेमवाल

1) मेडम हमें आप नवोदय विद्यालय मेंले गई है वह मुझे बहुत अच्छा लगा
2) मेडम आप जब से स्कूल आए है आपने स्कूल अच्छा कर दिया है।
3) मेडम आप बहुत अच्छा पढ़ाती है।
4) मेडम आप के आते से स्कूल मे बदलाव आ गया है
(5) मेडम आप हमे बहुत से जगह ले गए जैसे कि कोटद्वार, पौड़ी,
(6) पमकेश्वर, द्विउली अनेक जगह।
(7) मेडम आप ने स्कूल मे लाइब्रेरी भी बना दिया है।
8) मेडम आपने स्कूल को बहुत साफ-सुथरा बना दिया है।
9) मेडम आपने हमारे लिए बहुत अच्छे ड्रेस बनाए।
10) मेडम आपने स्कूल में बहुत अच्छा खाना बनवाया।
11) मेडम हमने नीलंकठ के आगे कदम नहीं रखा था जब आप नहीं थे।
12) मेडम जब से हम नीचे स्कूल में आए तो हमें अच्छा लगा पर उतना नहीं जितना हमें ऊपर स्कूल में लगता था।
13) मेडम आपने स्कूल के लिए कितना कुछ किया।
14) मेडम आप बहुत अच्छी गाती है।
15) मेडम हमें आपकी बहुत याद आती है।
16) मेडम जब आप पढ़ाती है तो हमें बहुत अच्छा लगता है।
17) मेडम आप मुझे बहुत अच्छी लगती है।
18) मेडम आप अच्छी मेडम हमने आज तक नहीं देखी।
19) मेडम आपने हमें प्रेरित किया कि पीछे नहीं हटना चाहिए

नाम-रीता सेमवाल
नाम-साक्षी रावत

1. रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ में जिस प्रकार छात्रों का मनोंरजन एवं खेल विधा द्वारा शैक्षिक सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास कर उनकी प्रतिभा को उभारा गया है, यदि ऐसा ही प्रयास प्रत्येक अध्यापक करें तो विद्यालय विकास में कोई कमी नहीं रहेगी, छात्र शिक्षा को बोझ नहीं समझेंगे, बुनियाद पक्की होगी तो भविष्य में भी कठिनाईयों नहीं आयेंगी, अध्यापिका द्वारा बच्चों के प्रति जो लगन एवं मेहनत मुझे यहाँ देखने को मिली, उससे लगता है आपके निश्चित ही लक्ष्य प्राप्त करेंगे मैंने पूर्व में भी अध्यापिका के कार्यो को देखा है, पूरे जनपद में आपकी अपनी अलग पहचान है।

(जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दीप्ति रावत)

2. अध्यापिका द्वारा बहुत ही अच्छा कार्य किया गया है, यदि सभी विद्यालयों में इसी प्रकार से कार्य हो तो सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों को आस्था एवं विश्वास दृढ हो जायेगा।

(ब्लाक प्रमुख श्रीमती कृष्णा नेगी)

3. रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ में आज नन्हें–मुन्ने बच्चों का प्रदर्शन देखकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हुई, मैं फिर कभी विस्तारपूर्वक विद्यालय की प्रत्येक गतिविधियों को जानना चाहती हूँ।

(जिला पंचायत सदस्य भादसी श्रीमती गीता राणा)

4. रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ में अध्यापकों ने जिस तरह छात्रों का स्तर बढ़ाया है उसी प्रकार की कोशिश यदि सभी जगह हो तो पलायन रूक सकता है।

(क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष श्री धनसिंह राणा)

5. बच्चों को शिक्षावान बनाने से बढ़कर संस्कारवान बनाना है, मेरा अभिभावकों तथा अध्यापकों से अनुरोध है कि छात्रों को संस्कारवान एवं नैतिकता का पाठ पढ़ाये, अध्यापिका द्वारा शिक्षा जगत में किये जा रहे प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ, मैंने पूर्व में भी अध्यापिका के कार्यों के देखा है, कई उत्कृष्ट कार्यों को अध्यापिका ने अंजाम दिया है।

(पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्री प्रशान्त बड़ोनी)

6. इस भौतिकवादीयुग में जहाँ सबका उद्देश्य केवल पैसा कमाना है वहीं ऐसे भी अध्यापक है जो कड़ी मेहनत एवं लगन से छात्रों को शिक्षावान एवं संस्कार बना रहे हैं, जिसकी नितान्त आवश्यकता है।

(पूर्व जिला पंचायत सदस्य मीरा रतूड़ी)

7. छोटे बच्चों की प्रस्तुति अत्यधिक प्रशंसनीय है विशेषकर कक्षा एक के छात्र जिन्होंने आज मंच पर इतना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है निश्चित ही भविष्य में ये छात्र उच्च लक्ष्य प्राप्त कर सफलता हासिल करेंगे।

(सामाजिक कार्यकता श्री शोभाराम रतूड़ी)

8. विद्यालय विकास में जिस प्रकार रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ के अध्यापकों द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं वह प्रशंसनीय एवं सराहनीय है इस प्रकार की कोशिशें सरकारी विद्यालयों को उत्कृष्टता प्रदान करेगी, जनपद स्तर पर छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ग्राम सभा तोली अध्यापिका एवं छात्रों को बधाई देते हैं।

(ग्राम प्रधान तोली श्री रविन्द्र नेगी)

9. मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूँ कि मैं रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ में अध्यक्ष के रूप में हूँ इस विद्यालय की सृजनात्मक वातावरण की छवि आज पूरे क्षेत्र में उभर कर आयी है। मैं विद्यालय परिवार विशेषकर प्रधानाध्यापिका को हृदय से बधाई देना चाहूँगा।

(अध्यक्ष विद्यालय प्रबन्धन समिति श्री जयवीर सिंह पंवार)

10. रा0प्रा0वि0 नीलकण्ठ में आयोजित कार्यक्रम को देखकर मुझे महसूस हुआ कि माध्यमिक विद्यालयों में भी इतने वृहद स्तर पर कार्यशाला/वार्षिकोत्सव सम्पन्न करना कठिन होता है, इतनी अधिक संख्या में अभिभावकों का सम्मिलित होना और अपना काम समझ सम्पूर्ण गतिविधियों में संक्रिय सहभागिता से लगता है अध्यापिका का समुदाय के साथ बहुत ही अच्छा समन्वय है। छात्रों की प्रस्तुति अभिलेखों का रखरखाव लाइब्रेरी की संकल्पना तथा सूचनाओं का अभिलेखीकरण अपने आप में अभूतपूर्व है, मैं विद्यालय एवं अध्यापिका के प्रयास से बहुत ही प्रभावित हुई है।

(प्रवक्ता डायट चड़ीगांव श्रीमती शिवानी)

11. बहुत कम समय में (मात्र 4–5 माह में) इतना बड़ा परिवर्तन का देना अध्यापिका की उत्कृष्ट कार्यशैली को दर्शाता है, साथ ही अन्य विद्यालयों एवं अध्यापकों के लिये यह विद्यालय प्रेरणास्रोत्र के रूप में है, मैं निश्चित ही ऐसे अध्यापकों को बधाई देते हुये सम्मानित किये जाने की आकांक्षा करता हूँ।

(खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह बिष्ट)

12. शिक्षा में गुणवत्ता छात्र हित में सदैव तत्पर विद्यालय सौन्दर्यीकरण मौलिक रूप से बी.आर.सी. में कार्यरत रहते हुये यमकेश्वर क्षेत्र में विकास के कार्यों के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में विकास खण्ड में एक नई सोच एवं जागरूकता पैदा की, बहुत कम ऐसे अध्यापक हैं जो इस प्रकार के गुणात्मक कार्य कर छोटे बच्चों की प्रतिभा को प्रत्येक क्षेत्र में दिशा देते हैं, वास्तव में ऐसे अध्यापक ही राज्य एवं राष्ट्र स्तरीय सम्मान के पात्र हैं।

(प्रधानाचार्य रा0इ0का0 लक्ष्मणझूला श्री सुभाष त्यागी)

13. जिस प्रकार की सृजनात्मक परिधि का सृजन इस विद्यालय में किया गया है उससे छात्रों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही सांस्कृतिक विकास का मार्ग बनेगा, मैं श्रीमती सेमवाल को बधाई देना चाहूँगा कि आपका क्षेत्रीय जनता के साथ जो समन्वय है वह प्रशंसनीय है काफी दूर दराज के लोग इतनी संख्या में उपस्थित हुये, क्षेत्रीय जनता का सहयोग दर्शाता है, कि कितना अच्छा तालमेल जनता एवं अध्यापकों के बीच हैं, छात्रों के विकास हेतु आपका प्रत्येक प्रयास एवं आपका चिन्तन सराहनीय व प्रेरणास्पद है।

(प्रधानाचार्य हाईस्कूल माला एस0पी0 बिजल्वाण)

14. मुख्य रूप से कर्ता की भूमिका में श्रीमती सेमवाल जैसी अध्यापिका हो तो बहुत बड़ा परिवर्तन सम्भव है, ऐसे अध्यापकों को आगे होना और करना चाहिये ताकि शिक्षा का विकास हो, निश्चित ही अध्यापिका पुरस्कार की भागीदार है क्षेत्रीय जनता से बातचीत के दौरान अध्यापिका के बारे में काफी अच्छी प्रतिक्रिया सुनने को मिली, मैं अध्यापिका से बहुत प्रेरित एवं प्रभावित हूँ, ऐसे अध्यापकों को उच्च पदस्थ हो मार्ग दर्शन करना चाहिये।

(प्रधानाध्यापक उ0प्रा0वि0 नैलगुजराड़ा श्री दरबान सिंह बिष्ट)

15. मैंने इसी विद्यालय में प्राइमरी शिक्षा प्राप्त की है अतः विद्यालय के प्रति मेरी भावनायें जुड़ी हैं, विद्यालय बहुत ही सुन्दर बन गया है।

(डॉक्टर अवनीश नौटियाल)

विद्यालय के शैक्षिक एवं भौतिक विकास में महत्वपूर्ण एवं अहम भूमिका का निर्वहन करने वाले कुछ व्यक्तित्व निम्नवत् हैं–

1. श्रीमती दीप्ति रावत – अध्यक्ष जिला पंचायत
2. श्रीमती विजया बड़थ्वाल – विधायक विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर
3. श्रीमती कृष्णा नेगी – ब्लॉक प्रमुख यमकेश्वर
4. श्री शोभाराम रतूड़ी – सामाजिक कार्यकर्ता
5. मन्दिर समिति – नीलकण्ठ
6. मन्दिर समिति कोटद्वार – सिद्धबली
7. श्री विक्रम सिंह रौथाण –
8. व्यापार मण्डल – नीलकण्ठ
9. राजेन्द्र सिंह चौहान – काली कमली धर्मशाला (प्रबन्धक)
10. श्री मंगल गिरी जी महाराज
11. श्री सुभाष पुरी जी महाराज
12. श्री विश्वनाथ गिरी जी महाराज
13. श्री राम गिरी जी महाराज (नीलकण्ठ जी महाराज)
14. श्री प्रीतम गिरी जी महाराज
15. श्री रविन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान तोली (नीलकण्ठ)
16. श्री धनसिंह रावत (क्षेत्र पंचायत सदस्य)
17. श्री राजवीर सिंह
18. श्री राजेश रावत
19. श्री रघुवीर सिंह
20. श्री सुनील
21. श्री राम सिंह
22. श्री अवनीश नौटियाल
23. श्री आनन्द लाल
24. श्री दीपक राणा
25. श्री राकेश रावत
26. श्री कुलवीर सिह
27. श्री जयवीर सिंह
28. श्री वचन सिंह
29. श्री विनोद कुमार
30. श्री प्रमोद नेगी
31. श्री मोहन सिंह रावत
32. श्री ताजवर सिंह